निदेशक का मनोगत

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर यह भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधिनस्त कार्य करनेवाली संस्था है। महाराष्ट्र के महामहिम राज्यपाल महोदय इस संस्था के अध्यक्ष है। महाराष्ट्र सरकार के संस्कृति मंत्री इस संस्था के कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष है। महाराष्ट्र के साथ मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना एवं कर्नाटक राज्य इस केंद्र के सदस्य राज्य है। केंद्र की ओर से निरंतर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें, सदस्य राज्यों के लोकनृत्य तथा आदिवासी क्षेत्र के कलाकारो को अपने क्षेत्र तथा संपुर्ण भारत वर्ष मे उनकी कला प्रस्तुति हेतु बढ़ावा देना, हस्तशिल्प कलाकारो द्वारा निर्मित कलाकृतियों के विक्री हेतु उन्हे संसाधन उपलब्ध कराना इस प्रमुख उद्देश से केंद्र के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। हाल ही मे केंद्र द्वारा "ऑरेंज सिटी क्राफ्ट मेला" इसी उद्देश्य से आयोजित किया गया। दस दिन तक चलने वाले इस मेले मे पूरे भारत वर्ष के अनेक राज्यों के लोक कलाकारों तथा हस्तशिल्प कलाकारो ने सहभाग लिया, एवं उनकी कलाकृतियों को प्रदर्शित किया। इस मेले को सभी रसिक तथा कलाप्रेमी नागरिकों ने खूब सराहा। केंद्र के सभी अधिकारी तथा कर्मचारियों ने इसे सफल बनाने मे भरसक प्रयास किए।

इस वर्ष प्रथमत: 26 जनवरी को "गणतंत्र दिवस समारोह" के उपलक्ष्य में विभिन्न विषयो पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन केंद्र के मुक्तांगण में किया गया। जिसमे नागपुर की दस स्कुल के विद्यार्थीओं ने मिशन २०२०, स्वच्छ भारत, दांडी यात्रा, युगपुरुष महात्मा, निर्मल गंगा प्रकल्प, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, महिला सक्षमीकरण इत्यादि विषयो पर आधारित प्रस्तुतियाँ दी। इस अनोखे प्रयास को सभी दर्शकों ने सराहा, जो बेहद सफल हुआ। इस कार्यक्रम में स्थानिय ढोल-ताशा पथक एवं लेझीम पथक ने भी प्रस्तुतियाँ दी।

संपूर्ण भारत वर्ष मे सांस्कृतिक वातावरण आनंददायी रहे, कलाकारो को तथा उनकी कला प्रस्तुतियों को बढ़ावा दिया जाए, उदयोन्मुख कलाकार तथा दिव्यांग कलाकारों को उनकी कला प्रस्तुति के लिये प्रोत्साहित किया जाए ऐसे विभिन्न उद्देश्यों से प्रेरित हो कर केंद्र द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी माध्यम से राष्ट्रभावना जागृत रहे ऐसा निरंतर प्रयास किया जाता है। दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की ओर से इसी प्रयास मे सम्मिलित सभी कलाकारों को मै हृदय से धन्यवाद देता हुँ।

डॉ. दीपक खिरवड़कर
निदेशक,
दमक्षेसां. केंद्र, नागपुर

द.म.क्षे.सां. केंद्र द्वारा किये गए एवं संयुक्त सहभागिता के आयोजन तथा उनकी झलकियाँ

जनवरी - २०१९

1. 'आनंदम' - मासिक योग शिविर का आयोजन जनवरी माह के दौरान प्रतिदिन प्रातः ६:३० से ७:३० के बींच दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र मुख्यालय परिसर में किया गया। इस शिविर को नागरिकों द्वारा उत्तम प्रतिसाद मिल रहा है तथा योगकला का जतन भी हो रहा है।

●२६ वॉ ऑरेंज सिटी क्राफ्ट मेला 4 जनवरी से १३ जनवरी २०१९●

(४ जनवरी से ८ जनवरी २०१९)

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर द्वारा आयोजित 26 वें ऑरेंज सिटी क्राफ्ट मेले (ओसिसिएम) का उद्‌घाटन दिनांक 4 जनवरी 2019 को शाम 6 बजे, डॉ. राजीव रानडे (अतिरिक्त महानिदेशक NADT, नागपुर), डॉ.प्रमोद कुमार (संयुक्त निदेशक NADT, नागपुर), अशोक मिश्रा (क्षेत्रीय प्रबंधक-ट्राइफेड), कोंड़ापल्ली शेषागिरी एवं कुणाल गडेकर (द.म.क्षे.सां.केंद्र के कार्यक्रम समिति सदस्य), इनके शुभहस्ते दीपप्रज्वलित कर एवं द.म.क्षे.सां. केंद्र निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर, उपनिदेशक मोहन पारखी, कार्यक्रम अधिकारी दीपक कुलकर्णी, प्रेमस्वरूप तिवारी, गोपाल बेतावर इनकी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

मान्यवरों का स्वागत केंद्र निदेशक, उपनिदेशक एवं कार्यक्रम अधिकारीयों द्वारा किया गया। इसके पश्चात केंद्र निदेशक ने कार्यक्रम की प्रस्तावना की एवं केंद्र के इस आयोजन के स्वर्णिम इतिहास के बारे में संक्षिप्त में बताया। कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि डॉ. राजीव रानडे द्वारा मार्गदर्शन के पश्चात कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुती देने वाले क्षेत्रिय लोकनृत्य दलों के प्रमुखों का स्वागत सत्कार मान्यवरों के हस्ते किया गया। इसके पश्चात लोकनृत्यों की प्रस्तुतियाँ दी गयी।

प्रथम चरण दि. ४ जनवरी से ८ जनवरी २०१९ को ढेड़िया नृत्य (उ.प्र.), रौफ नृत्य (जम्मू एवं कश्मीर), धनगरी गजा (महाराष्ट्र), बिहू नृत्य (आसाम), मेवासी नृत्य (गुजरात), एनिमल मास्क डांस (ओडिसा) यह नृत्य प्रस्तुत किये गए। मेला परिसर में बहुरूपी (गुजरात), गारुडी गोम्बे (कर्नाटक), बीन-जोगी (हरियाणा) इनकी शानदार प्रस्तुतियां हुईं। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन कार्यक्रम अधिकारी दीपक कुलकर्णी तथा श्री प्रेमस्वरूप तिवारी ने किया।

मान्यवर अतिथियों ने केंद्र परिसर में लगे हस्तकला, अन्य वस्तुओं एवं विविध व्यंजनों के स्टॉल (१२०) को भी भेंट दी एवं सभी कलात्मक वस्तुओं की तारीफ़ भी की। जिसमें मेले को नागपूरवासियों ने जोरदार प्रतिसाद दिया। क्राफ्ट एवं व्यंजनों के स्टॉल्स पर लोगों की भीड़ रही। वहीँ बहुरूपियों ने भी दर्शक एवं छोटे बालकों को खूब लुभाया एवं उनके साथ तस्वीरें खिंचवाई। प्रतिसाद दिया। क्राफ्ट एवं व्यंजनों के स्टॉल्स पर लोगों की भीड़ रही। वहीँ बहुरूपियों ने भी दर्शक एवं छोटे बालकों को खूब लुभाया एवं उनके साथ तस्वीरें खिंचवाई।

26 वें ऑरेंज सिटी क्राफ्ट मेले की कुछ झलकियाँ

❖ २६ वॉ ऑरेंज सिटी क्राफ्ट मेला ❖

(९ जनवरी से १३ जनवरी)

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर द्वारा आयोजित २६ वें ऑरेंज सिटी क्राफ्ट मेले का खुमार संतरानगरी पर छाया रहा। दिनांक ४ जनवरी से प्रारंभ हुए इस मेले का आनंद हजारो नागपुरवासीयो ने प्रतिदिन उठाया। प्रतिदिन केंद्र परिसर के खुले रंगमंच पर विभिन्न राज्यों की 'लोकनृत्य प्रस्तुतियाँ' एवं परिसर में लगे 'हस्त-शिल्पकला एवं स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल्स' दर्शक एवं रसिकों को लुभा रहें थे। सर्दियों के मौसम को और सुहावना बनाते हुए विगत २५ साल की तरह इस वर्ष भी 'ऑरेंज सिटी क्राफ्ट मेला' सभी के आकर्षण का केंद्र बिंदु बन गया था।

ऑरेंज सिटी क्राफ्ट मेला के द्वितीय चरण दि. ९ जनवरी से १३ जनवरी २०१९ के दौरान नागपुर के एल.ए.डी. महाविद्यालय एवं एस.वि.के. शिक्षण संस्था द्वारा ९ जनवरी को शाम ६.३० बजे 'रीजनल टेक्सटाइल्स ऑफ़ इंडिया' यह फैशन शो प्रस्तुत किया गया, इसमें 'दिव्यांग विद्यार्थियों' द्वारा किये गये परिधान प्रदर्शन ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित करते हुए उन्हें भावविभोर किया।

द्वितीय चरण में 'सेहरिया स्वांग' (राजस्थान), 'घुमर' (हरियाणा), 'रेनबेंशे' (प.बंगाल), 'गद्दीनाटी' (हिमाचल प्रदेश), 'कर्मा' (छत्तीसगढ़), 'बहुरूपिया' (राजस्थान) एवं 'कच्छी घोड़ी' (राजस्थान) यह लोकनृत्य समूह शामिल थे। कार्यक्रम का मंच संचालन द.म.क्षे.सां. केंद्र के कार्यक्रम अधिकारी दीपक कुलकर्णी ने किया।

सोमलवार अकादमी ऑफ़ प्रोफेशनल स्टडीज, प्रायवेट लिमिटेड की तरफ से ११ जनवरी को 'साडी एक धरोहर' (फैशन शो) हुआ। इसमें विभिन्न प्रकार की साड़ियाँ, उनके बनावट के बारे में जानकारी दी गयी एवं मॉडल्स द्वारा उनका प्रदर्शन भी किया गया। तथा सुश्री. कविता ठाकुर एवं साथियों (दिल्ली) व्दारा 'स्वच्छ भारत' पर आधारित नृत्य नाटिका १२ जनवरी २०१९ को प्रस्तुत की गई। इस नृत्य-नाट्य प्रस्तुति में कत्थक, ओडिसी, छाऊ, कंटेम्परारी नृत्य, नाटक एवं योगा इन प्रकारों का सुंदर समागम था। 'स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत' का संदेश देती इस नृत्य नाटीका का निर्देशन एवं संरचना डॉ. कविता ठाकुर संगीत प. अजय प्रसन्ना द्वारा किया गया। इस प्रस्तुति में वरुण, गौरव मयुख, कविता, साक्षी तथा गीता, उडीसी में शोभा, कृतिका, दीपिका, छाऊ में समीर तथा श्रीराम, कंटेम्परारी में गौरव, सौरभ तथा अभिशेष एवं थियेटर (नाटक) में राजू रॉय इनका समावेश था।

१३ जनवरी को २६ वे ऑरेंज सिटी क्राफ्ट मेला का समापन हुआ, जिसके प्रमुख अतिथि के रूप में श्री दीपक करंजीकर, दूरदर्शन कलाकार तथा भारत सरकार के सांस्कृतिक मानचित्रण कार्यक्रम के अध्यक्ष, उपस्थित थे। प्रमुख अतिथि के स्वागत पश्चात द.म.क्षे.सां. केंद्र निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर ने अपना मनोगत व्यक्त किया। उसके बाद प्रमुख अतिथि द्वारा उनके मार्गदर्शन पर उद्बोधन में द.म.क्षे.सां. केंद्र के इस भव्य आयोजन की प्रशंसा करते हुए, सराहना की। इस कार्यक्रम को अन्य क्षेत्रों में भी आयोजित करने का मनोगत व्यक्त किया।

इस प्रकार से २६ वें ऑरेंज सिटी क्राफ्ट मेले का यह आयोजन बेहद सफल रहा। केंद्र के सभी कर्मचारी एवं अधिकारीयों ने लगन एवं मिलजुलकर इस आयोजन को सफल बनाने के लिए भरसक प्रयास किये। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का केंद्र निदेशक ने अभिनंदन किया।

26 वें ऑरेंज सिटी क्राफ्ट मेले की कुछ झलकियाँ

26 वें ऑरेंज सिटी क्राफ्ट मेले की कुछ झलकियाँ

◉ संगीत प्रभाकर ◉

(दिनाक १२ एवं १३ जनवरी २०१९)

द. म. क्षे. सां. केंद्र, नागपुर द्वारा आयोजित 'संगीत प्रभाकर' समारोह का लक्ष्मीनगर स्थित साइंटिफिक सभागृह में दि.१२ जनवरी २०१९ को शाम ६.३० बजे शानदार तरीके से उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप मे पूर्व विधायक मा. मोहन मते, द.म.क्षे.सा. केंद्र के कार्यक्रम समिति के सदस्य कुणाल गडेकर, संचालक डॉ. दीपक खिरवडकर, श्रीकांत देसाई, श्याम देशकर, सुरेश खर्डेनवीस इस अवसर पर उपस्थित थे। इस अवसर पर वरिष्ठ गायक चंद्रहास जोशी इनका सम्मान किया गया। डॉ. मीनल माटेगावकर इन्होने अपने गायन का आरंभ 'गावती राग' से किया। इस प्रस्तुति के दौरान तबले पर राम खडसे ने तो संवादिनी पर श्रीकांत पिसे इन्होंने उनकी संगत की। इन्होंने आगे की प्रस्तुतियो के लिए 'राग दुर्गा' का चयन किया। 'लाडला ब्रज में कन्हैया' यह सुंदर बंदिश प्रस्तुत की। इसी दुर्गा राग में उन्होंने तराणा प्रस्तुत कर मैफिल मे रंग भरे।

डॉ. मीनल माटेगावकर इन्होंने अपने गायन का समारोप 'कौन गली गयो श्याम' इस सुप्रसिद्ध ठुमरी से किया। इसके उपरांत उस्ताद सरवर हुसैन, कोलकाता द्वारा सारंगी वादन की प्रस्तुति हुई। उस्ताद सरवर हुसेन को तबले पर शहनवाझ हुसैन ने संगत दी, सारंगी पर साथसांगत जावेद खाँ ने की। उन्होने सारंगी वादन का आरंभ 'राग मारुबिहाग'से किया। प्रास्ताविक श्रीकांत देसाई द्वारा किया गया। श्री मोहन मते ने कार्यक्रम को शुभकामनाएँ दी। मंचसंचालन श्वेता शेलगावकर ने किया। कार्यक्रम मे रसिक श्रोताओ की भारी मात्रा मे उपस्थिती थी।

समापन

(१३ जनवरी २०१९)

'संगीत प्रभाकर' समारोह के दुसरे दिन १३ जनवरी को संगीत सभा का प्रारंभ ताल अर्पण से हुआ। जिसमे श्री विनय ढोक, कुमार वेद ढोक, श्री रवि सातफळे, श्री अमन मोरधड़े (गायन) तथा श्री विनय लातूरकर इन्होने संवादिनी पर अपनी प्रस्तुतियाँ देकर अपने गुरु के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पण किया। तत्पश्चात विश्वविख्यात तबला वादक श्री संजु (विष्णु) सहाय इन्होने तबला सोलो प्रस्तुत करके श्रोताओ को मंत्रमुग्ध किया। उनको लहरा संगत श्री गोविंद गड़ीकर जी ने की। कार्यक्रम का संचालन सौ श्वेता शेलगावकर ने किया। धन्यवाद प्रस्ताव श्री श्रीकांत देसाई ने किया। कार्यक्रम में केंद्र के संचालक डॉ. दीपक खिरवडकर, तथा कार्यक्रम अधिकारी श्री दीपक कुलकर्णी जी उपस्थित थे। नागपुर और आसपास के श्रोतागण उपस्थित थे। कार्यक्रम सफल बनाने हेतु श्री दीपक कुलकर्णी ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

◉ ब्रह्मनाद – चतुर्थ पुष्प ◉

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर द्वारा दिनांक १३ जनवरी २०१९ रविवार को प्रातः 6:30 बजे केंद्र परिसर में लोकप्रिय प्रातःकालीन संगीत सभा 'ब्रह्मनाद' का आयोजन किया गया। इस आयोजन में डॉ.अनया थत्ते (मुंबई) एवं गौरी मराठे (पुणे) इन्होने 'भैरव के प्रकार' नामक संयुक्त प्रस्तुति दी। इसमें 'भैरव राग' की विभिन्न बंदिशें श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत की। कार्यक्रम का उद्‌घाटन दीपप्रज्वलन से द.म.क्षे.सां. केंद्र के निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर, उपनिदेशक मोहन पारखी, केंद्र के कार्यक्रम समिति अध्यक्ष कुणाल गडेकर, दीपक करंजीकर (भारत सरकार के सांस्कृतिक मानचित्रण कार्यक्रम के अध्यक्ष) तथा कार्यक्रम अधिकारी दीपक कुलकर्णी इनकी उपस्थिति में हुआ। दीपक करंजीकर इनका स्वागत एवं सम्मान केंद्र निदेशक के हस्ते पुष्पगुच्छ एवं स्मृतिचिन्ह देकर किया गया।

डॉ. अनया थत्ते एवं गौरी मराठे इन दोनो कलाकारोने 'शिवमथ भैरव', 'नट भैरव', 'अहीर भैरव', 'कलिंगडा' राग एवं उपरागों पर आधारित बंदिशें प्रस्तुत की। उन्हें साथसंगत अविनाश घांगरेकर (तबला), संदीप गुरमुले (संवादिनी) तथा शिरीष भालेराव (व्हायोलिन) द्वारा की गई। कार्यक्रम का मंचसंचालन डॉ. श्रुती खानझोडे ने किया।

गौरी मराठे ने शास्त्रीय संगीत गायन की शिक्षा उनके गुरु पंडित केशवरावजी राजहंस से प्राप्त की है। उन्होंने महाराष्ट्र में कई संगीत समोरोहों में अपने शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति दी है, तथा अपनी सुरिली आवाज से श्रोताओं का दिल जीता है।

डॉ. अनया थत्ते ने अपनी संगीत की शिक्षा पं. केशवराज राजहंस (ग्वालियर घराना), पं. अरुण कशालकर, पं. यशवंत महाले, पं. व्ही. आर. आठवले, डॉ. नीरा ग्रोवर इनसे प्राप्त की है। इनको कई प्रतिष्ठित गायन पुरस्कार प्राप्त हुए। इन्होंने थाटराग और रागांग रागवर्गीकरण पद्धती का तुलनात्मक अध्ययन किया। भारत में कई संगीत समारोहों में उन्होंने अपनी संगीत प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

''भैरव के प्रकार''
Anaya Thatte
Mumbai

Mumbai

प्रयागराज में 'राष्ट्रीय समकालीन चित्र कार्यशाला' प्रारंभ

देश के सबसे बड़े उत्सव 'कुंभ' में प्रयागराज के अरैल घाट पर संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में 'मध्यदक्षिणी' द्वारा देश के वरिष्ठ चित्रकारों की उपस्थिति में 'समकालीन चित्र कार्यशाला' का शुभारंभ हुआ।

प्रख्यात व प्रतिष्ठित चित्रकार एवं उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, प्रयागराज के निदेशक श्री इंद्रजीत ग्रोवर के शुभ हस्ते 12 जनवरी को दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में मार्गदर्शन करते हुये श्री इंद्रजीत ग्रोवर ने कहा कि भारत की संस्कृति विविध रंगों से सजी हुई है, और देश के विविध क्षेत्रों से आये रंगों के इन विविध चित्रकारों की उपस्थिति कुंभ मेले के सांस्कृतिक आयोजन को नए रंग प्रदान करेगी यह आशा प्रकट की।

दिनांक १८ जनवरी २०१९ तक चलने वाले इस शिविर में देश के वरिष्ठ चित्रकार - सुश्री दीपाली शाह व श्री अनूप गिरी (पश्चिम बंगाल), श्री पद्माकर संतापे, श्री बृजमोहन आर्य, श्री सतीश भैसारे एवं सुश्री भारती दीक्षित (मध्यप्रदेश), श्रीमती विजयलक्ष्मी मेर, श्री मिलिंद लिम्बेकर एवं श्री राजेश खडसे (महाराष्ट्र), श्री राजू दुरशेट्टीवार एवं सुश्री मनीषा राजू (तमिलनाडु), श्री अनिल ताटो, श्री विज्ञान व्रत (उत्तरप्रदेश), श्री अमित दत्त (दिल्ली) श्री प्रबीन्द्र सिंह (पंजाब), श्री गोलमेई गंदुपु (मणिपुर), श्री हेमंत जोशी (राजस्थान) इन्होने सहभाग लिया।

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर के कार्यक्रम अधिकारी श्री गोपाल बेतावार ने बताया की कुंभ का महत्व केवल धार्मिक ही नहीं है, यह देश की पूर्ण संस्कृति का समग्र उत्सव है। कुंभ के विविध आयाम केवल श्रद्धालुओं को ही आकर्षित नहीं करते बल्कि सुदूर विश्व से सैलानी भी इसका साक्षात्कार करने आते है।

विविध शैली के चित्रकारों द्वारा उकेरे गए चित्र नई पीढ़ी को कुंभ की विविधता का दर्शन कराने के साथ साथ चित्रकारी जैसी सांस्कृतिक विधा की ओर आकर्षित किया।

इस अवसर पर कार्यशाला के आयोजक दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर की ओर से श्री गोपाल बेतावार एवं श्री गणपत प्रजापति उपस्थित थे।

प्रयागराज में राष्ट्रीय समकालीन चित्र कार्यशाला के कुछ अंश

❖ कुंभ मे बिखरे स्वरकुंभ और युगांधर कृष्ण के रंग ❖

देश के सबसे बड़े उत्सव प्रयागराज 'कुंभ' में 29 जनवरी शाम ६.३० बजे दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र नागपुर द्वारा चलो मन गंगा जमुना तीर मंच पर "स्वरकुंभ" और "युगांधर" कृष्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उदघाटन मा. श्रीमती कांचन गडकरी के हस्ते दीपप्रज्वलित कर हुआ। इस अवसर पर दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर के निदेशक डॉ० दीपक खिरवड़कर, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज उत्तरप्रदेश के निदेशक इंद्रजीत ग्रोवर, कार्यक्रम अधिकारी प्रेमस्वरूप तिवारी एवं दीपक कुलकर्णी भी उपस्थित थे।

'स्वरकुंभ' मे 'स्वराली संस्था', नागपुर की महिला कलाकारों द्वारा वाद्यवृंद की शानदार प्रस्तुति ने श्रोताओ को मंत्रमुग्ध किया, साथ ही श्रीमती दिपाली घोंगे निर्देशित 'युगांधर कृष्ण' नृत्य नाटिका ने एक अलग ही समा बांधा। इस आयोजन मे २९ जनवरी से १ फरवरी २०१९ तक पंडवानी गायन (छत्तीसगढ़), बोनालु नृत्य (तेलंगाना), ढोलु कुनिथा नृत्य (कर्नाटक), गणगौर नृत्य (मध्यप्रदेश) इन की प्रस्तुति कलाग्राम के मंच आंगन परिसर में हुई।

कार्यक्रम मे भारी मात्रा मे कलाप्रेमियों की उपस्थिती रही। और सभी ने कलाकारो की प्रस्तुतियो को काफी सराहा।

स्वरकुंभ और युगांधर कृष्ण की कुछ झलकियाँ

❖ नागपुर के कलाकारो द्वारा कुंभ मे "गीत रामायण" और गायन एवं नृत्य की शानदार प्रस्तुति ❖

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र नागपुर द्वारा, प्रयागराज मे कुंभ मेला परिसर स्थित "चलो मन गंगा जमुना तीर" के मुख्य मंच पर संस्कार भारती, विदर्भ के कलाकारो द्वारा 31 जनवरी एवं 1 फरवरी को गायन, वादन एवं नृत्य के साथ 'गीत रामायण' की प्रस्तुति दी गई। जिसमे गीत रामायण के समुह प्रमुख श्याम देशपांडे, एवं विदर्भ के कलाकारो द्वारा गीत रामायण, गायन, नृत्य की प्रस्तुतियाँ दी गई। जिसमें रामायण को गीतो के माध्यम से बड़ी ही खुबसूरती से प्रस्तुत किया गया। भारतीय संस्कृति के दर्शन करने वाली इन प्रस्तुतियों ने श्रोताओ का ध्यान अपनी ओर खिचा। साथ ही श्रोताओ द्वारा प्रस्तुतियों की काफी प्रशंसा भी की गई। इस अवसर पर दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर के निदेशक डॉ॰ दीपक खिरवड़कर, एवं अधिकारियों की उपस्थिती रही।

देश के सबसे बड़े उत्सव प्रयागराज कुंभ में दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर की ओर से 'कलाग्राम' बनाया गया है जिसमे हस्तशिल्पकरो के स्टॉल एवं लोकनृत्यों की प्रस्तुतियाँ दी गई।

इन सभी कार्यक्रम को भारी मात्रा मे कलाप्रेमियों का प्रतिसाद मिला। और सभी कलाकारो की प्रस्तुतियो को काफी सराया गया।

गीत रामायण और गायन एवं नृत्य की कुछ शानदार प्रस्तुति

◉ गणतंत्र दिवस ◉

गणतंत्र दिवस समारोह मे शिवमुद्रा ढोल, लेझिम और विद्यार्थियों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने बिखेरे रंग

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर द्वारा दि.26 जनवरी 2019 को 'गणतंत्र दिवस' समारोह का आयोजन केंद्र के "मुक्तांगण" में शाम 5 बजे किया गया। समारोह का उदघाटन श्री आशुतोष अडोणी, सदस्य, नियामक मंडल, द.म.क्षे.सा.केंद्र ने दीपप्रज्वलित कर किया। इस अवसर दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर के निदेशक डॉ॰ दीपक खिरवड़कर, उपनिदेशक श्री मोहन पारखी, कार्यकारी अधिकारी श्री दीपक कुलकर्णी, प्रोजेक्ट इंचार्ज श्री शशांक दंडे की भी उपस्थि थे। कार्यक्रम के पूर्व "शिवमुद्रा ढोल पथक" एवं "लेझिम पथक" कि शानदार प्रस्तुतियाँ हुई।

श्री आशुतोष अडोणी जी ने उनके मार्गदर्शनीय भाषण के माध्यम से सभी छात्रो को आशीर्वाद दिया और उनके उज्वल भविष्य के लिए उन्हे शुभकांमनाएँ दी। साथ ही देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले वीरों, महापुरुषों को स्मरण करते हुए उनको अभिवादन किया।

गणतंत्र दिवस के समारोह मे विभिन्न विद्यालयों द्वारा ऐतिहासिक, सामाजिक, विज्ञान, सांस्कृतिक, तथा "महात्मा गांधीजी द्वारा देश के स्वातंत्र्य संग्राम में योगदान" इन विषयों पर आधारित रंगारंग प्रस्तुतियाँ दी गई। इन प्रस्तुतियों मे सोमलवार हाइस्कूल, रामदासपेठ (नमामि गंगे), भवन्स बी.पी. विद्या मंदिर, कोराडी और जे.एन. टाटा पारसी गर्ल्स हाइस्कूल (अतुल्य भारत), सेवासदन सक्षम स्कूल,सीताबर्डी और सरस्वती विद्यालय, शंकर नगर (महिला सशक्तिकरण), हडस सी.बी.एस.सी.स्कूल, रामदासपेठ (भारत के लोक नृत्यों के माध्यम से फिटनेस का महत्व), टी.बी.आर. एन. एस. मुंडले इंग्लिश मीडियम स्कूल (युगपुरुष महात्मा गांधी), गायकवाड़ पाटील इंटरनॅशनल स्कूल, डोंगरगांव ने कथक और भरतनाट्यम के माध्यम से (अतुल्य भारत) को प्रस्तुत किया। जी.एच. रायसोनी विद्यानिकेतन, सुकळी (विजन २०२०) एवं एस. वी.के.शिक्षण संस्था (स्वतंत्रता के लिए संघर्ष) इन विषयो पर मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी। वही (भारत हमको जान से प्यारा है।) टी.बी.आर. एन. एस. मुंडले इंग्लिश मीडियम स्कूल ने इस विषय पर प्रस्तुति देकर कार्यक्रम का समापन हुआ।

कार्यक्रम मे भारी मात्रा मे दर्शक उपस्थित थे। जिन्होने सभी प्रस्तुतियों को काफी सराहा। कार्यक्रम का मंच संचालन श्रीमती रश्मी शिवहरे ने किया तथा आभार प्रदर्शन उपनिदेशक श्री मोहन पारखी ने किया।

गणतंत्र दिवस समारोह की कुछ झलकियाँ

समाप्त

◈ संकल्पना एवं मार्गदर्शन ◈

डॉ. दीपक खिरवडकर

(निदेशक, दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपूर)

◈ लेखन एवं संरचना ◈

श्रीमती. श्वेता रोहित तिवारी

(शारदा कंसल्टंसी सर्विसेस प्रा. लिमिटेड)

◈ फोटोग्राफी ◈

श्री. गजानन शेळके

(माध्यम व प्रसारण विभाग, द.म.क्षे.सां. केंद्र, नागपूर)

◈ मुखपृष्ठ एवं ग्राफ़िक्स डिजाईन ◈

श्री. मुकेश गणोरकर

(शारदा कंसल्टंसी सर्विसेस प्रा. लिमिटेड)